>

Title: Need to provide pantry car service in long distance trains.

श्री रमाशंकर राजभर (सलेमपुर): सभापति महोदय, मैं जिस क्षेत्र से आता हूं, वह काफी गरीब इलाका है। आपको अवगत हो कि वहां के लोग इस गरीबी से तंग आकर पूर्वांचल और भोजपुरिया राज्य की मांग कर रहे हैं। उसी इलाके से होकर चार रेलगाड़ियां जिनके सुन्दर नाम हैं - दादर एक्सप्रैस, गोदान एक्सप्रैस, बापूधाम एक्सप्रैस, दुर्ग एक्सप्रैस निकलती हैं और उस क्षेत्र के हजारों लोग अहमदाबाद और मुम्बई में काम करने के लिये जाते हैं लेकिन उक्त ट्रेनों में पैंट्री कार न होने की वजह से प्रतिदिन वे लोग ज़हरखुरानी का शिकार होते हैं। उनके बैग लूट लिये जाते हैं। पैंट्री कार न होने की दशा में यात्री 48-48 घंटे बिना खाये रह जाते हैं या लूट लिए जाते हैं। मैं सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि एक और ट्रेन लिच्छवी एक्सप्रैस वहां से निकलती है जिससे मैं सदन की बैठकों में भाग लेने के लिये आता हूं लेकिन यह ट्रेन भी 5-5 घंटे लेट रहती है। मेरा कहना है कि पूरे देश में लम्बी दूरी की कई ट्रेनें हैं।

वहां की जनता और यात्रियों के हित में इसमें निश्चित तौर पर पेंटीकार लगाये जाएं।